नवंबर में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट, विदेशों में भी रोड शो होंगे

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में 5 लाख करोड़ के निवेश होंगे

तैयारी

लखनऊ, विशेष संवाददाता। प्रदेश सरकार यूपी इंटरनेशनल शो के बाद एक और मेगा इवेंट ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी नवंबर में आयोजित करने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक अभी तीन लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरने के लिए तैयार हैं। औद्योगिक विकास विभाग को उम्मीद है कि पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव अगले दो महीने में परिपक्व हो जाएंगे। इसके बाद अगले साल फरवरी-मार्च में वैश्विक निवेशक सम्मेलन भी आयोजित होगा। इसके लिए विदेशों में रोड शो होंगे।

औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने सभी विभागों से पूछा है कि ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-5 के लिए अब तक आपके विभाग से संबंधित कितनी इकाइयां एवं उनमें निहित निवेश धनराशि के प्रस्ताव परिपक्व हो चुके हैं। यह भी बताना है कि दिसम्बर 2025 तथा मार्च, 2026 तक और कितने निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरने के लिए तैयार हो जाएंगे। इस संबंध में 32 विभागों व 6 औद्योगिक विकास प्राधिकरणों पत्र भेज कर यह जानकारी मांगी गई है। पत्र में कहा गया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डालर बनाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2022 एवं 30 से अधिक क्षेत्र विशिष्ट नीतियों के माध्यम से प्रभावी प्रयास किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी-5 का आयोजन शीघ्र किया जाना प्रस्तावित है।

32 सरकारी विभागों से मांगा निवेश प्रस्तावों का ब्योरा

वैश्विक निवेशक सम्मेलन अगले साल

योगी सरकार साल 2026 के शुरुआती तीन महीने में वैश्विक निवेशक सम्मेलन कराने की योजना बना रही है। इसके लिए रोड शो का पूरा कार्यक्रम तैयार कर लिया गया है। इसे मुख्यमंत्री की स्वीकृति के लिए भेजा गया है। अभी यह तय होना है कि रोड शो जीबीसी के पहले कराया जाए या उसके बाद।

निवेश के लिए जमीन आवंटन सबसे बड़ी बाधा

निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतारने में सबसे बड़ी समस्या उपयुक्त जमीन उपलब्ध करवाने की है। इसके अलावा जमीन उपलब्ध होने के बाद उसकी आवंटन की प्रक्रिया में वक्त लगता है। औद्योगिक विकास विभाग ने 100 करोड़ रुपये से ऊपर की 132 से अधिक परियोजनाओं से जुड़े भूमि संबंधी मुद्दों को चिन्हित किया है। इनका कुल मूल्य ₹1.68 लाख करोड़ से अधिक है। इसके लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की जाएगी।